This booklet contains 16 pages.
इस पुस्तिका में 16 पृष्ठ हैं ।

JP-1-16

PAPER I / प्रश्न-पत्र I
Sanskrit Language Supplement
संस्कृत भाषा परिशिष्ट
PART IV & V / भाग IV & V

Test Booklet Code
परीक्षा पुस्तिका संकेत

A

Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

400941

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.
इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.
इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16)पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।

For instructions in Sanskrit see Page 2 of this Booklet. / संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH.**
2. Candidates are required to answer Parts I, II, III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue / Black Ball Point Pen only** for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **A.** Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part-IV : Language I - (Sanskrit) (Q. 91 to Q. 120)
   Part-V : Language II - (Sanskrit) (Q. 121 to Q. 150)
7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a language other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part -V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं** ।
2. परीक्षार्थी भाग I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें ।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत है A** । यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है । अगर यह भिन्न हो तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग-IV : भाषा I - (संस्कृत) (प्र. 91 से प्र. 120)
   भाग-V : भाषा II - (संस्कृत) (प्र. 121 से प्र. 150)
7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । **यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए ।**
8. **परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है ।

Name of the Candidate (in Capitals) : ____________________
परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
Roll Number : in figures ____________________
अनुक्रमांक : (अंकों में)
: in words ____________________
: (शब्दों में)
Centre of Examination (in Capitals) : ____________________
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :
Candidate's Signature : ____________________ Invigilator's Signature : ____________________
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : निरीक्षक के हस्ताक्षर :
Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

SEAL

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति ।

JP-1-16

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

A

प्रश्नपत्रम् I

संस्कृत भाषा परिशिष्टम्

भागः IV एवं V

यावन्न न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया ।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः ।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टम् तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV (भाषा I) भागस्य **अथवा** V (भाषा II) भागस्य परीक्षां **संस्कृतभाषया** दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः** ।
2. परीक्षार्थिभिः I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः ।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः । भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते ।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तरपत्रे च चिह्नं अङ्कयितुं **केवलं नील/कृष्णवर्णिकायाः बाल पाइन्ट लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः ।
5. अस्याः भाषा पुस्तिकायाः संकेतकं A वर्तते । एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तरपत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति । एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तरपत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते । यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयाम् भाषा-परिशिष्ट-परीक्षापुस्तिकाम् ददातु ।
6. अस्यां परीक्षापुस्तिकायाम् **द्वौ** भागौ स्तः - IV तथा V, एतेषु **60** वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति :
   भागः IV : भाषा I – (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)*
   भागः V : भाषा II– (संस्कृत) *(प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)*
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति । अस्यां च परीक्षापुस्तिकायाम् केवलम् संस्कृतभाषया सम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति । **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षापुस्तिका याचनीया । यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत् ।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात् ।**
9. रफ़ कार्यं परीक्षापुस्तिकायाम् एतत्प्रयोजनार्थं निर्धारितस्थाने एव कार्यम् ।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तरपुस्तिकायामेव अङ्कनीयानि । सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम् । उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः ।

परीक्षार्थिनः नाम : ____________________

अनुक्रमाङ्कः : अङ्केषु : ____________________

: शब्देषु : ____________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ____________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ____________________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ____________________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ____________________

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-
भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि
तदैव दद्युः यदि तैः भाषा – I
विकल्पे संस्कृतं चितं स्यात् ।

भाग: – IV
भाषा – I
संस्कृतम्

निर्देश :

अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदनन्तरं प्रदत्तप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या 91-99) विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत :

उत्सवे व्यसने दुर्भिक्षे राष्ट्रविप्लवे दैनन्दिनव्यवहारे च य: सहायतां करोति स: बन्धु: भवति । यदि विश्वे सर्वत्र एतादृश: भाव: भवेत् तदा विश्वबन्धुत्वं सम्भवति ।

परन्तु अधुना निखिले संसारे कलहस्य अशान्ते: च वातावरणम् अस्ति । मानवा: परस्परं न विश्वसन्ति । ते परस्य कष्टं स्वकीयं कष्टं न गणयन्ति । अपि च समर्था: देशा: असमर्थान् देशान् प्रति उपेक्षाभावं प्रदर्शयन्ति, तेषाम् उपरि स्वकीयं प्रभुत्वं स्थापयन्ति । संसारे सर्वत्र विद्वेषस्य शत्रुताया: हिंसाया: च भावना दृश्यते । देशानां विकास: अपि अवरुद्ध: भवति ।

इयम् महती आवश्यकता वर्तते यत् एक: देश: अपरेण देशेन सह निर्मलेन हृदयेन बन्धुताया: व्यवहारं कुर्यात् । विश्वस्य जनेषु इयं भावना आवश्यकी । तत: विकसिताविकसितयो: देशयो: मध्ये स्वस्था स्पर्धा भविष्यति । सर्वे देशा: ज्ञानविज्ञानयो: क्षेत्रे मैत्रीभावनया सहयोगेन च समृद्धिं प्राप्तुं समर्था: भविष्यन्ति । सूर्यस्य चन्द्रस्य च प्रकाश: सर्वत्र समानरूपेण प्रसरति । प्रकृति: अपि सर्वेषु समत्वेन व्यवहरति । तस्मात् अस्माभि: सर्वै: परस्परं वैरभावम् अपहाय विश्वबन्धुत्वं स्थापनीयम् ।

अत: विश्वस्य कल्याणाय एतादृशी भावना भवेत् –

अयं निज: परो वेति गणना लघुचेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।।

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

91. सर्वै: परस्परं किं स्थापनीयम् ?

(1) असमत्वम् (2) वैरभावम्
(3) विश्वबन्धुत्वम् (4) शत्रुत्वम्

92. देशा: सहयोगेन किं प्राप्स्यन्ति ?

(1) उपेक्षाभावम् (2) प्रभुत्वम्
(3) समृद्धिम् (4) कष्टम्

93. कीदृशेन हृदयेन बन्धुताया: व्यवहार: करणीय: ?

(1) निर्मलेन (2) अपरेण
(3) देशेन (4) असहयोगेन

94. 'प्रकटीकुर्वन्ति' इति अर्थे अत्र किं क्रियापदं प्रयुक्तम् ?

(1) गणयन्ति (2) प्रदर्शयन्ति
(3) स्थापयन्ति (4) विश्वसन्ति

95. अत्र 'क्त' प्रत्ययान्तस्य उदाहरणम् अस्ति

(1) अवरुद्ध: (2) शत्रुता
(3) आवश्यकता (4) भवेत्

96. 'ज्ञानविज्ञानयो:' पदे समास: अस्ति

(1) बहुव्रीहि: (2) द्विगु:
(3) कर्मधारय: (4) द्वन्द्व:

97. अत्र 'स्पर्धा' पदस्य विशेषणपदम् अस्ति

(1) भावना (2) महती
(3) स्वस्था (4) गणना

98. अद्य कलहस्य वातावरणं कुत्र अस्ति ?

(1) उत्सवे केवलम् (2) दुर्भिक्षे केवलम्

(3) व्यवहारे (4) सम्पूर्णसंसारे

99. के परस्य कष्टं स्वकीयं न गणयन्ति ?

(1) बान्धवा: (2) मानवा:

(3) शत्रव: (4) देशा:

निर्देश: – अधोलिखितं श्लोकद्वयं पठित्वा तदाधारितप्रश्नानां (प्रश्नसङ्ख्या **100-105**) विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखित :

पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि,
जलमन्नं सुभाषितम् ।
मूढै: पाषाणखण्डेषु,
रत्नसंज्ञा विधीयते ।।1।।
सत्येन धार्यते पृथ्वी,
सत्येन तपते रवि: ।
सत्येन वाति वायुश्च,
सर्वं सत्ये प्रतिष्ठितम् ।।2।।

100. सर्वं केन धार्यते ?

(1) सत्येन (2) अन्नेन

(3) वायुना (4) पृथिव्या

101. 'अवगम्यते' इत्यर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम् ?

(1) तपते (2) वाति

(3) विधीयते (4) धार्यते

102. विसर्गसन्धे: उदाहरणम् अस्ति

(1) जलमन्नम् (2) वायुश्च

(3) मूढै: (4) रवि:

103. 'वाति' क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?

(1) रवि: (2) पृथ्वी

(3) रत्नसंज्ञा (4) वायु:

104. त्रीणि रत्नानि कुत्र सन्ति ?

(1) पाषाणखण्डेषु (2) पृथिव्याम्

(3) सत्ये (4) मूढेषु

105. मूढा: पाषाणखण्डं किं कथयन्ति ?

(1) जलम् (2) सुभाषितम्

(3) अन्नम् (4) रत्नम्

निर्देश : सर्वाधिकं समीचीनं विकल्पं चित्वा निम्नलिखित प्रश्नानाम् (प्रश्नसङ्ख्या **106-120**) उत्तरं लिखत -

106. वाचनप्रक्रियायां निम्नलिखितेषु किं वाक्यस्य पाठ्यवस्तुत: वा विभिन्नभागेषु परस्परं सम्बन्धम् अवगन्तुम् छात्राणां साहाय्यं करोति ?

(1) क्रियाविशेषणानि (2) सर्वनामानि

(3) संज्ञापदानि (4) विशेषणानि

107. निम्नलिखितेषु किं वाक्यं शुद्धम् ?

(1) फलमेतत् न ग्रहीतव्यम् ।

(2) फलमेतत् न गृहीतव्यम् ।

(3) फलोऽयं न ग्रहीतव्यम् ।

(4) फलमेतत् न ग्रहीतव्य: ।

108. निम्नलिखितेषु किं कथनं श्रवण-व्यवहारं न विवृणोति ?

(1) भाषणकर्तुः भावम् अवगन्तुं सावधानं श्रवणम् अनिवार्यम् ।

(2) जनाः इष्टं भावं प्राप्तुम् अनिष्टं च त्यक्तुं समर्थाः ।

(3) सम्यक् रूपेण श्रोतुं किञ्चिदपि प्रशिक्षणम् अनिवार्यं न इयं स्वाभाविकी दक्षता ।

(4) भावम् अवगन्तुं मुखभङ्गिमा अपि महत्त्वपूर्णं साधनम् ।

109. 'श्लेष' शब्दस्य उच्चारणं पाठयितुं भवान् / भवती किं करिष्यति ?

(1) भवान्/भवती विकल्पात्मकं शब्दं वक्तुं छात्रान्/छात्राः कथयिष्यति ।

(2) शब्दस्य अर्थं विस्तरेण स्पष्टीकरिष्यति ।

(3) उच्चारणशब्दकोशप्रयोगद्वारा अधिकाधिकम् अभ्यासं कारयिष्यति ।

(4) कथयिष्यति यत् एषः कोऽपि अन्यदेशीयः शब्दः ।

110. कामपि कथां पाठयितुम् अध्यापकः शीर्षकं, पाठस्य उपशीर्षकाणि, दृश्यसाधनानि च आश्रित्य छात्रैः सह चर्चां करोति । तान् च टिप्पणीं स्वीकर्तुं प्रोत्साहयति ।

वाचनसम्बद्धः अयं गतिविधिः ________ प्रक्रिया अस्ति ।

(1) चित्रीकरणस्य

(2) शब्दार्थस्पष्टीकरणस्य

(3) पूर्वज्ञानप्रयोगस्य

(4) 'पाठे किं भविष्यति भवेत् वा' इत्यस्य

111. अल्पाहारगृहे लिखिते निम्नलिखिते विज्ञापने किं वाक्यं त्रुटिपूर्णम् ?

1. अद्य अल्पाहारार्थम् उपमा अस्ति ।
2. सङ्कोचः मास्तु यत् आवश्यकं तत् पृच्छतु ।
3. अद्य पाकं रुचिकरः ।

(1) प्रथमं द्वितीयञ्च

(2) केवलं प्रथमम्

(3) प्रथमं तृतीयञ्च

(4) केवलं तृतीयम्

112. कस्याञ्चित् व्याकरणसम्बद्ध-कक्ष्यायां 'अन्वेषणात्मकसिद्धांतः' इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति यत् छात्राः

(1) परस्परं सहयोगेन व्याकरणसम्बद्ध-गतिविधिषु संलग्नाः भविष्यन्ति ।

(2) विभिन्नोदाहरणैः अध्यापकसाहाय्येन नियमनिर्माणं करिष्यन्ति ।

(3) व्याकरणनियमानां महत्त्व-सन्दर्भे चिन्तनं करिष्यन्ति ।

(4) व्याकरणात्मकत्रुटीनां निवारणार्थं शिक्षकसाहाय्यं स्वीकरिष्यन्ति ।

113. 'गतिज-बुद्धिः' (Kinesthetic Intelligence) इत्यनया सम्बद्ध-अधिगम-क्षमतया अभिप्रायः अस्ति

(1) श्रवणकौशलक्षमतायाः विकासः ।

(2) यत्र छात्राः चक्षु-हस्त-समत्वेन अनुकूलगतिना अभिव्यक्तिं कुर्वन्ति ।

(3) सङ्गीतं प्रति रुचिं प्रदर्शयन्ति ।

(4) तार्किकं चिन्तयन्ति ।

114. छात्रस्य 'विशिष्ट-शैक्षणिक-प्रवृत्ति:' इत्यस्यां किं सन्निहितम् अस्ति ?

(1) छात्र: अनापेक्षित-प्रतिक्रियां प्रदर्शयति ।

(2) छात्र: अन्येषां जनानां कौशलानि सामर्थ्यं वा अभिजानाति ।

(3) छात्र: शरीरेण स्वस्थ: दृश्यते ।

(4) रुचिपूर्णकार्येषु क्षेत्रेषु वा तस्य दीर्घावधानं तिष्ठति ।

115. पूर्व-अनुभवाश्रित-सम्प्रेषणम् अधिकृत्य प्रक्रिया कथ्यते

(1) सङ्कल्पनिर्माणम्

(2) अधिगम-हस्तान्तरणम्

(3) प्रश्नप्रविधि:

(4) साक्षात्प्रदर्शनम्

116. अनुरूपण-सम्बद्ध-अध्यापक-प्रशिक्षण-प्रविधि: मन्यते

(1) पाठयोजना

(2) 'वीडियो' – प्रदर्शन – दर्शनम्

(3) सूक्ष्मशिक्षणम्

(4) उत्तम-व्याख्यान-टिप्पणी

117. लेखन-प्रक्रिया-सन्दर्भे कस्मिन् चरणे 'मुक्तलेखनम्', 'मस्तिष्कउद्वेलनम्', 'समूहीकरणम्', 'विचार-चित्रणम्' (Idea Mapping) च महत्त्वपूर्णानि ?

(1) पूर्व-लेखनम्

(2) प्रारूपलेखनम्

(3) पुनरावृत्ति:

(4) संशोधनम् (Proof-reading)

118. निम्नलिखितानि पदानि किं कथ्यन्ते ?

तूष्णीम्, ननु, नूनम्, इतस्तत:, झटिति, चिरम्, शनै:

(1) संज्ञापदानि

(2) क्रियापदानि

(3) क्रियाविशेषणानि

(4) सर्वनामपदानि

119. लेखनकौशलस्य उत्तम: क्रम: अस्ति

(1) सङ्कलनम्, क्रमनिर्धारणम्, प्रारूपीकरणम्, पुन:प्रारूपीकरणम्

(2) सङ्कलनम्, क्रमनिर्धारणम्, पुन:प्रारूपीकरणम्, प्रारूपीकरणम्

(3) क्रमनिर्धारणम्, सङ्कलनम्, प्रारूपीकरणम्, पुन:प्रारूपीकरणम्

(4) प्रारूपीकरणम्, सङ्कलनम्, क्रमनिर्धारणम्, पुन: प्रारूपीकरणम्

120. भाषाकक्ष्यायां साहित्यं छात्रेभ्य: ________

(1) किमपि सांस्कृतिकम् उद्घाटनम् न प्रयच्छति ।

(2) भाषासम्बद्धं वैविध्यं स्फुटीकरोति ।

(3) केवलं भाषासम्बद्धां प्राचीनशैलीं प्रस्तौति ।

(4) दुर्बोध्यशब्दावलीं प्रस्तौति ।

परीक्षार्थिनः निम्नलिखित-
भागस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि
तदैव दद्युः यदि तैः भाषा – II
विकल्पे संस्कृतं चितं स्यात् ।

→

भागः – V

भाषा – II

संस्कृतम्

निर्देशः अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदनन्तरं प्रदत्तप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत :

एकदा दश बालकाः स्नानाय नदीम् अगच्छन् । ते नदीजले चिरं स्नानम् अकुर्वन् । ततः ते तीर्त्वा पारं गताः । तदा तेषां नायकः अपृच्छत् - अपि सर्वे बालकाः नदीम् उत्तीर्णाः ?

तदा कश्चित् बालकः अगणयत् - एकः, द्वौ, त्रयः, चत्वारः, पञ्च, षट्, सप्त, अष्टौ, नव इति । सः स्वं न अगणयत् । अतः सः अवदत् - नव एव सन्ति । दशमः न अस्ति । अपरः अपि बालकः पुनः अन्यान् बालकान् अगणयत् । तदा अपि नव एव आसन् । अतः ते निश्चयम् अकुर्वन् यत् दशमः नद्यां मग्नः । ते दुःखिताः तूष्णीम् अतिष्ठन् ।

तदा कश्चित् पथिकः तत्र आगच्छत् । सः तान् बालकान् दुःखितान् दृष्ट्वा अपृच्छत् - बालकाः ! युष्माकं दुःखस्य कारणं किम् ? बालकानां नायकः अकथयत् - वयं दश बालकाः स्नातुम् आगताः । इदानीं नव एव स्मः । एकः नद्यां मग्नः । पथिकः तान् अगणयत् । तत्र दश बालकाः एव आसन् । सः नायकम् आदिशत् त्वं बालकान् गणय । सः तु नव बालकान् एव अगणयत् । तदा पथिकः अवदत् – 'दशमः त्वम् असि' इति ।

तत् श्रुत्वा प्रहृष्टाः भूत्वा सर्वे गृहम् अगच्छन् ।

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

121. गणनायकः कति बालकान् अगणयत् ?

(1) दश ।

(2) नव ।

(3) अष्टौ ।

(4) पञ्च ।

122. 'दश बालकाः स्नातुम् आगताः' इति उक्तम्...

(1) पथिकेन ।

(2) केनचित् बालकेन ।

(3) बालकानां नायकेन ।

(4) केनचित् न ।

123. प्रहृष्टाः भूत्वा कति बालकाः गृहं प्रति अगच्छन् ?

(1) दश

(2) नव

(3) सप्त

(4) द्वौ

124. बालकानां दुःखस्य कारणं किम् आसीत् ?

(1) ते स्नातुम् अनुमतिं न प्राप्तवन्तः ।

(2) पथिकः तान् कुत्रचित् अन्यत्र अनयत् ।

(3) एकः बालकः स्नातुं न इच्छति स्म ।

(4) 'एकः बालकः नद्यां मग्नः' इति ते चिन्तितवन्तः ।

125. 'स्नातुम्' इत्यर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम् ?

(1) स्नानाय ।

(2) स्नानम् ।

(3) मग्नः ।

(4) स्नानेन ।

126. किं क्रियापदम् अत्र उपसर्गयुक्तम् ?

(1) अगच्छत् ।

(2) अगणयत् ।

(3) आगच्छत् ।

(4) अगच्छन् ।

127. निम्नलिखितेषु किम् अव्ययपदम् ?

(1) कश्चित् ।

(2) एकः ।

(3) मग्नः ।

(4) तूष्णीम् ।

128. बालकाः नदीं प्रति किमर्थम् अगच्छन् ?

(1) जलक्रीडार्थम् ।

(2) जलं पातुम् ।

(3) मनोरञ्जनार्थम् ।

(4) स्नातुम् ।

129. अत्र मध्यमपुरुषस्य क्रियापदम् अस्ति

(1) अगणयत् । (2) स्मः ।

(3) गणय । (4) सन्ति ।

निर्देश: अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा तदनन्तरं प्रदत्तप्रश्नानां विकल्पात्मकोत्तरेषु समुचितम् उत्तरं चित्वा लिखत :

अस्माकं देशे बहवः समुद्रतटाः सन्ति । एतेषु मुम्बई-गोवा-कोच्चि-कन्याकुमारी-विशाखापत्तनम्-पुरीतटाः अतीव प्रसिद्धाः सन्ति । गोवातटः विदेशि-पर्यटकेभ्यः समधिकं रोचते । विशाखापत्तनम्-तटः वैदेशिकव्यापाराय प्रसिद्धः । कोच्चि तटः नारिकेल-फलेभ्यः ज्ञायते । मुम्बईनगरस्य जुहूतटे सर्वेजनाः स्वैरं विहरन्ति । चेन्नईनगरस्य मेरीनातटः देशस्य सागरतटेषु दीर्घतमः ।

भारतस्य तिसृषु दिशासु समुद्रतटाः सन्ति । अस्माद् एव कारणात् भारतदेशः प्रायद्वीपः इति कथ्यते । पूर्वदिशायां बङ्गोपसागरः दक्षिणदिशायां हिन्दमहासागरः पश्चिमदिशायां च अरबसागरः अस्ति । एतेषां त्रयाणाम् अपि सागराणां सङ्गमः कन्याकुमारीतटे भवति । अत्र पूर्णिमायां चन्द्रोदयः सूर्यास्तं च युगपदेव द्रष्टुं शक्यते ।

130. हिन्दमहासागरः कस्यां दिशायाम् अस्ति ?

(1) उत्तरदिशायाम्

(2) दक्षिणदिशायाम्

(3) पूर्वदिशायाम्

(4) पश्चिमदिशायाम्

131. कः तटः दीर्घतमः ?

(1) मुम्बईतटः

(2) गोवातटः

(3) मेरीनातटः

(4) जुहूतटः

132. 'विदेशिपर्यटकेभ्यः' इति पदे विभक्तिः अस्ति

(1) तृतीया

(2) चतुर्थी

(3) पञ्चमी

(4) सप्तमी

133. 'इच्छानुसारम्' इत्यर्थे अत्र किं पदं प्रयुक्तम् ?

(1) स्वैरम्

(2) विहरन्ति

(3) सङ्गमः

(4) रोचते

134. व्यञ्जनसन्धेः उदाहरणम् अस्ति –

(1) चन्द्रोदयः

(2) सूर्यास्तम्

(3) युगपदेव

(4) बङ्गोपसागरः

135. अस्माकं देशे कति समुद्रतटाः सन्ति ?

(1) पञ्च

(2) षट्

(3) त्रयः

(4) बहवः

136. पठनसम्बद्ध-निम्नलिखित-परीक्षणे भवान्/भवती अङ्कप्रदानं कथं करिष्यति ?

प्रश्नः - धर्मशाला कुत्र विद्यते ?

उत्तरम् – I. हिमाचलप्रदेशे ।

उत्तरम् – II. धर्मशाला हिमाचलप्रदेशे विद्यते ।

(1) द्वितीय-उत्तरस्य कृते – 2, प्रथम-उत्तरस्य कृते – 0

(2) प्रथम-उत्तरस्य कृते – 1, द्वितीय-उत्तरस्य कृते – 2

(3) प्रथम – उत्तरस्य कृते – 2, द्वितीय-उत्तरस्य कृते अपि – 2

(4) द्वितीय – उत्तरस्य कृते – 1½, प्रथम – उत्तरस्य कृते – 1

137. 'व्यापक-पठनेन' (Extensive Reading) कः अभिप्रायः ?

(1) नूतनशब्दानाम् अर्थानुमानम् ।

(2) विषयम् अवगन्तुं मनोरञ्जनार्थं च पठनम् ।

(3) अनुच्छेदस्य मूल-भावावबोधनम् ।

(4) पाठ्यवस्तुनः सम्पूर्णभावस्य स्पष्टीकरणम् ।

138. श्रवणकौशलस्य मूल्याङ्कनार्थं शिक्षकेण प्रयुक्त-विभिन्नगतिविधिषु किं समीचीनम् ?

(1) छात्रैः दृष्टसामग्र्याः विस्तरेण व्याख्या ।

(2) छात्रैः दृष्टछायाचित्राणां समीक्षा ।

(3) श्रुतसामग्र्याः विश्लेषणम् ।

(4) उच्चस्वरेण पाठ-पठनम् ।

139. 'पृच्छा-आश्रित-अधिगमनम्' (Enquiry-based Learning) इत्यस्य लक्षणं कुत्र ?

(1) शिक्षकः कार्यं स्पष्टीकृत्य अधिगमनार्थं साहाय्यं करोति ।

(2) छात्राः स्वजिज्ञासां प्रकटीकुर्वन्ति ।

(3) उपरिलिखितयोः प्रथमं द्वितीयञ्च/उपरिलिखितं (1) (2) च

(4) केवलं द्वितीयम् (2)

140. "हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः" इत्यत्र 'छन्दः' अस्ति –

(1) वंशस्थ

(2) अनुष्टुप्

(3) इन्द्रवज्रा

(4) उपेन्द्रवज्रा

141. 'विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्' इत्यत्र कः अलङ्कारः ?

(1) श्लेषः

(2) अनुप्रासः

(3) रूपकः

(4) उत्प्रेक्षा

142. वाचन-कौशल-अभ्यासार्थं किमत्यावश्यकम् ?

(1) सुन्दराणि चित्राणि ।

(2) विश्वकोषः ।

(3) दीर्घवाक्यानि ।

(4) लिपिज्ञानम् ।

143. विरामचिह्नप्रयोग-दृष्ट्या किं वाक्यं समीचीनम् ?

(1) साधोः, शिक्षा गुणाय सम्पद्यते नासाधोः ।

(2) साधोः शिक्षा गुणाय सम्पद्यते, नासाधोः ।

(3) साधोः शिक्षा गुणाय, सम्पद्यते । नासाधोः ।

(4) साधोः ! शिक्षा गुणाय सम्पद्यते, नासाधोः ?

144. येषु विद्यालयेषु सामान्य-विशिष्ट-शिक्षा-मध्ये भेदः न विद्यते ते कथ्यन्ते

(1) विशिष्टविद्यालयाः

(2) अतिविशिष्टविद्यालयाः

(3) स्तरीयविद्यालयाः

(4) समावेशिनः विद्यालयाः

145. सत्रस्य अन्ते सर्वेषां कौशलानां (श्रवण-भाषण-पठन-लेखन-कौशलानां) मूल्याङ्कनस्य उद्देशः अस्ति

(1) छात्राणां भाषां प्रति प्रवृत्तेः आकलनम् ।

(2) शिक्षकेभ्यः शैक्षिक - उद्देशानां स्पष्टीकरणम् ।

(3) छात्राणां भाषा-सम्बद्ध-सम्पूर्ण-दक्षतायाः आकलनम् ।

(4) छात्राणां भाषा - सम्बद्ध - रुचि - मापनम् ।

146. 'ई-लर्निंग' (E-learning) इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति

(1) दूरस्थशिक्षणम् ।

(2) अधिगमनप्रक्रियायां यन्त्राणाम् उपयोगः ।

(3) प्रविधि - प्रयोगद्वारा (Using technology)

(4) चलचित्राणि

147. 'आगमन-उपागमः' इत्यनेन अभिप्रायः अस्ति –

(1) व्याकरण - शिक्षणे नियमानां स्पष्टीकरणम् ।

(2) उदाहरणैः नियमानां सिद्धान्तानां स्पष्टीकरणम् ।

(3) व्याख्याद्वारा भावस्पष्टीकरणम् ।

(4) भाषा-दक्षतायाः आकलनम् ।

148. 'अशाब्दिक – सम्प्रेषणम्' इत्यनेन कः अभिप्रायः ?

(1) उक्तशब्दाः

(2) भाव-भङ्गिमा

(3) सङ्ख्या

(4) मुद्रितशब्दाः

149. निम्नलिखितकथनेषु किं कथनं साहचर्य-समूह-अधिगमन-प्रक्रियायाः लक्षणं न प्रदर्शयति ?

(1) छात्र-अभ्यासार्थं कक्ष्यायाम् अधिकः कालः लभ्यते ।

(2) शान्तिपूर्ण - व्यवस्थित-कक्ष्या ।

(3) शिक्षक - केन्द्रित - कक्ष्यायाः व्यवस्थायाः एक-वैकल्पिक-व्यवस्था ।

(4) हतोत्साहिनः छात्राः समवयस्कमित्रैः अभिप्रेरिताः भवन्ति ।

150. वाचनप्रक्रियासन्दर्भे 'अनुमान' (Inference) इत्यनेन कः अभिप्रायः ?

(1) अनुच्छेदोक्तकथनेन अनुक्तस्य भावावबोधनम् ।

(2) अनुच्छेदस्य विभिन्नाङ्गेषु निहितसूचनासु परस्परं सम्बन्धस्थापनम् ।

(3) पाठ्यवस्तु अधिकृत्य स्पष्टीकृततत्त्वानाम् अनुमानम् ।

(4) नूतनशब्दानाम् अर्थस्पष्टीकरणम् ।

SPACE FOR ROUGH WORK

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीयाः :

1. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं OMR उत्तरपुस्तिकायाः पृष्ठे-2 केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण नील/कृष्णवर्णिकया बाल पाइन्ट लेखन्या प्रपूरणीयम् । एकवारम् उत्तरांकनान्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते ।

2. परीक्षार्थिभिः उत्तरपत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम् । परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कं उत्तरपत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत् ।

3. परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः । कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षापुस्तिका नोपलभ्या एव ।

4. परीक्षापुस्तिकायाम् उत्तरपत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया ।

5. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति ।

6. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम् ।

7. अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम् ।

8. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तरपत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवनं कक्षं वा परित्यक्तव्यम् न अन्यथा । यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तरपत्रकं न दत्तम्' इति अभिप्रायः । इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम् ।

9. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः ।

10. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः । अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव ।

11. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षापुस्तिकायाः उत्तरपत्रकस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः ।

12. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तरपत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति । परीक्षार्थिनः इमाम् उत्तरपुस्तिकां नेतुम् अनुमताः ।**

READ CAREFULLY THE FOLLOWING INSTRUCTIONS:

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ball Point Pen on Side-2 of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet / Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
6. Each candidate must show on demand his / her Admission Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case.
9. Use of Electronic / Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room / Hall.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

निम्नलिखित निर्देश ध्यान से पढ़ें :

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
4. परीक्षा पुस्तिका / उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें ।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा ।
9. इलेक्ट्रॉनिक / हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
10. परीक्षा-हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
12. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष / हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें ।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।***

SEAL